पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

वर्तमान सरकार आम जन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

ट्रॉमा एक ऐसी समस्या है, जिसके लिए जागरूकता अत्यधिक आवश्यक है

ट्रॉमा से ग्रसित मरीजों के लिए शुरुआती क्षण गोल्डेन आवर होते हैं, यदि उसमें मरीज को बेहतर चिकित्सा मिल जाती है, तो उसके जीवन को बचाया जा सकता है

लोगों को यातायात के नियमों व फर्स्ट एड के प्रति जागरूक किया जाए

ट्रॉमा आज की ज्वलन्त समस्या है, ऐसे विषय पर संस्थान द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जाना सराहनीय है

ट्रॉमा सेण्टर में पैरामेडिकल स्टाफ व नर्सिंग स्टाफ को ट्रॉमा का प्रशिक्षण दिये जाने की आवश्यकता पर बल दिया

राज्य सरकार द्वारा स्वच्छता व शुद्ध पेयजल की दिशा में किये गये कार्यों से इन्सेफेलाइटिस पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ

आने वाले 2–3 वर्षों में हम इस बात की घोषणा कर देंगे कि इन्सेफेलाइटिस प्रदेश से पूरी तरह से समाप्त हो गयी

के0जी0एम0यू0 के ट्रॉमा सर्जरी विभाग द्वारा ट्रॉमा एवं गहन चिकित्सा विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को मुख्यमंत्री ने सम्बोधित किया

लखनऊ : 28 अगस्त, 2019

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि वर्तमान सरकार आम जन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। ट्रॉमा एक ऐसी समस्या है, जिसके लिए जागरूकता अत्यधिक आवश्यक है। ट्रॉमा से ग्रसित मरीजों के लिए शुरुआती क्षण गोल्डेन आवर होते हैं। यदि उसमें मरीज को बेहतर चिकित्सा मिल जाती है, तो उसके जीवन को बचाया जा सकता है। इसलिए आवश्यकता है कि लोगों को यातायात के नियमों व फर्स्ट एड के प्रति जागरूक किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने यह विचार आज यहां किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (के0जी0एम0यू0) के ट्रॉमा सर्जरी विभाग द्वारा ट्रॉमा एवं गहन चिकित्सा विषय

पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि ट्रॉमा आज की ज्वलन्त समस्या है। ऐसे विषय पर संस्थान द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जाना सराहनीय है। सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करके इस समस्या में कमी लायी जा सकती है। ट्रॉमा के उपचार में बचाव की सबसे बड़ी भूमिका है।

मुख्यमंत्री जी ने इन्सेफेलाइटिस बीमारी का जिक्र करते हुए कहा कि दिमागी बुखार कई दशकों से प्रदेश के विभिन्न जनपदों और विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर और बस्ती मण्डल के सभी जनपदों के लिए एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या रही है। वर्तमान राज्य सरकार द्वारा स्वच्छता व शुद्ध पेयजल की दिशा में किये गये कार्यों से इस पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में 2 करोड़ 60 लाख शौचालय उपलब्ध कराये गये हैं। राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्ययोजना बनाकर अभियान संचालित किया, जिसके परिणामस्वरूप दिमागी बुखार के रोगियों की संख्या में 35 प्रतिशत तथा इस रोग के कारण होने वाली मौतों की संख्या में 65 प्रतिशत तक की कमी आयी है। आने वाले 2–3 वर्षों में हम इस बात की घोषणा कर देंगे कि इन्सेफेलाइटिस प्रदेश से पूरी तरह से समाप्त हो गयी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इसी प्रकार सड़क हादसों को रोकने के लिए विभिन्न विभागों से समन्वय करके ही इन हादसों को रोका जा सकता है। सरकार ने परिवहन निगम के चालकों का मेडिकल चेकअप करने के बाद ही उनके ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू करने के निर्देश दिये हैं। एन0डी0आर0एफ0 की तर्ज पर प्रदेश में एस0डी0आर0एफ0 का गठन किया गया है। वर्तमान में 250 एस0डी0आर0एफ0 के ट्रेनीज़ को के0जी0एम0यू0 में ट्रॉमा का प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि '108' व '102' एम्बुलेंस के रिस्पॉन्स टाइम में कमी लाकर ही ट्रॉमा से ग्रसित मरीजों को बेहतर चिकित्सा उपलब्ध करायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि डायल–100 के कर्मियों को भी ट्रॉमा प्रशिक्षण की आवश्यकता

है। उन्होंने ट्रॉमा सेण्टर में पैरामेडिकल स्टाफ व नर्सिंग स्टाफ को भी ट्रॉमा का प्रशिक्षण दिये जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री जी ने इण्डियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर के यू0पी0 चैप्टर के 'लोगो' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने एक स्मारिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री जी ने प्रो0 राजा सबापथी, प्रो0 रविकान्त तथा श्री रजनीश जायसवाल को सम्मानित किया। उन्होंने यू0पी0 चैप्टर के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रो0 विनोद जैन को प्रेसिडेंशियल कॉलर पहनाकर सम्मानित किया।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सुरेश खन्ना ने कहा कि चिकित्सक धरती का भगवान है। मरीज चिकित्सक पर बहुत भरोसा करते हैं कि वे उसके जीवन की रक्षा करेंगे। आज आवश्यकता इस बात की है कि डॉक्टर मरीजों के साथ सहानुभूति रखते हुए सेवाभाव से उनकी चिकित्सा करें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री जय प्रताप सिंह ने कहा कि ट्रॉमा के प्रति लोगों को जागरूक करके ही ट्रॉमा से होने वाली मृत्यु दर में कमी लायी जा सकती है।

पुलिस महानिदेशक श्री ओ0पी0 सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया जाना अत्यन्त आवश्यक है। यातायात नियमों की जानकारी के साथ ही दो–पहिया वाहन चालकों को हेल्मेट तथा चार–पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

कार्यक्रम को के0जी0एम0यू0 के कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट ने भी सम्बोधित किया। डॉ0 समीर मिश्रा ने सम्मेलन में आये लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर देश भर से आये चिकित्सक व विश्वविद्यालय के विद्यार्थीगण, शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

———————————